Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—2004

PAPER—III

HINDI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **11**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HINDI

हिन्दी

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **दो** खण्ड (अ एवं ब) हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड – अ

(लघु निबंधवत् उत्तरलक्षी प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में **दस** निबंधवत उत्तरलक्षी प्रश्न हैं, जिनके उत्तर लगभग **तीन सौ** शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के **16** अंक हैं।

खण्ड – अ

1. भक्ति साहित्य के विकास में सिद्ध-नाथ साहित्य के योगदान का आकलन कीजिए।

अथवा

कबीर की भक्ति भावना के सामाजिक पक्ष का उद्घाटन कीजिए।

2. भूषण के काव्य की अंतर्वस्तु में रीति-तत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सतसैया के दोहरे ज्यों नावक के तीर' – इस कथन के आलोक में बिहारी की काव्य कला की परीक्षा कीजिए।

3. भारतेन्दु की रचनाओं में पुनर्जागरण की चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

छायावाद पर गांधीवाद के प्रभाव का आकलन कीजिए।

4. 'मार्क्सवाद' प्रगतिवादी साहित्य का वैचारिक आधार है विचार कीजिए।

अथवा

प्रयोगवाद की प्रयोगधर्मिता विशेष रूप से काव्य भाषा स्तर तक सीमित रही – इस कथन के औचित्य की परीक्षा कीजिए।

5. हिन्दी उपन्यास-यात्रा में 'चंद्रकान्ता' के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'शेखर एक जीवनी' के शिल्पगत वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए।

6. 'अंधेर नगरी' नाटक की समसामयिकता पर विचार कीजिए।

अथवा

चंद्रगुप्त नाटक की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना का उद्घाटन कीजिए।

7. भट्ट नायक की 'रस-निष्पत्ति' विषयक व्याख्या के महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रस ध्वनि से आप क्या समझते हैं— स्पष्ट कीजिए।

8. 'नयी समीक्षा' की प्रमुख अवधारणाओं का परिचय दीजिए।

अथवा

पाश्चात्य काव्यशास्त्र में लोंजाइनस के विशिष्ट योगदान का निरूपण कीजिए।

9. संदर्भ-प्रसंग निर्देश करते हुए निम्नलिखित अवतरण की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

करहिं बनसपति हिये हुलासू। मो कँह भा जग दून उदासू ।।

फागु करहिं सब चाँचरि जोरी। मोहि तन लाइ दीन जस होरी।।

जो पै पीउ जरत अस पावा। जरत मरत मोहि रोष न आवा।।

राति दिवस बस यह जिउ मोरे। लगौं निहोर कंत अब तोरे।।

यह तन जारों छारि कै, कहौं कि पवन! उड़ाव।

मकु तेहि मारग उड़ि परै, कंत धरै जहँ पाँव।।

अथवा

तीर से खींचा धनुष मैं राम का।

काम का -

पड़ा कंधे पर हूँ बलराम का ।

सुबह का सूरज हूँ मैं ही

चाँद मैं ही शाम का

कलजुगी मैं ढाल

नाव का मैं तला नीचे और ऊपर पाल।

10. संदर्भ-प्रसंग निर्देश करते हुए निम्नलिखित अवतरण की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

ब्राह्मणत्व एक सार्वभौम बुध्दि वैभव है। वह अपनी रक्षा के लिए, पुष्टि के लिए और सेवा के लिए इतर वर्णों का संगठन कर लेगा। राजन्य-संस्कृति से पूर्ण मनुष्य को मूर्धाभिषक्त बनाने में दोष क्या है ?

अथवा

मुझे उस असलियत की बात करने दीजिए जिसे मैं जानती हूँ ..... एक आदमी है। घर बसाता है। क्यों बसाता है ? अपने अंदर के किसी उसको ..... एक अधूरापन कह लीजिए उसे ..... उसको भर सकने की। इस तरह उसे अपने लिए ..... अपने में ..... पूरा होना होता है। किन्ही दूसरों को पूरा करते रहने के लिए जिन्दगी नहीं काटनी होती हैं।

खण्ड – ब

नोट : इस भाग में केवल **एक** दीर्घ निबंधवत् उत्तरलक्षी प्रश्न **40** अंक का हैं, जिसका उत्तर लगभग **(800) आठ- सौ** शब्दों में दीजिए।

11. भक्ति काव्य में भक्ति के माध्यम से लोक जागरण का विराट प्रयत्न किया गया है - विचार कीजिए।

अथवा

नूतन सांस्कृतिक-चेतना का उद्‌गम और स्वतंत्र जीवन-दर्शन का नियोजन छायावाद की महत्वपूर्ण उपलब्धि है— इस कथन की परीक्षा कीजिए।

अथवा

हिन्दी कथा-साहित्य में स्त्री-विमर्श और दलित-विमर्श की स्थिति का परिचय दीजिए।

अथवा

'रमणीयार्थ प्रतिपादक: शब्द: काव्यम्' के आलोक में काव्य-लक्षण की भारतीय अवधारणा का विवेचन कीजिए।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....